ॐ

वर्ष-9, अंक-24, 16-31 दिसम्बर, 2024 (पाक्षिक)

चाणक्य वार्ता

ISSN 2456-1207

मूल्य : 15 रुपये
कुल पृष्ठ 40

राजभाषा हिन्दी की संपूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

इस अंक में पढ़ें

हंगामे की भेंट चढ़ा संसद का सत्र, लोकनायक तीर्थंकर पार्श्वनाथ, राजनीति की कालिख में भी धवल थे अटल, वैश्विक खाद्य सुरक्षा और भारत, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और केरल राज्यों से विशेष रिपोर्ट। श्री गुरुजी का विराट व्यक्तित्व, विकास के सच्चे धंधेदार आदि महत्वपूर्ण रचनाएं, साथ ही पढ़ें देश-विदेश के कोने-कोने की महत्वपूर्ण खबरें और सभी स्थायी स्तंभ।

विश्वरत्न बनते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

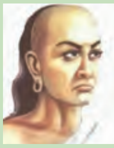

चाणक्य वार्ता

सम्पूर्ण अंतरराष्ट्रीय पत्रिका

वर्ष : 9, अंक : 24, 16-31 दिसंबर, 2024

अनुक्रम

05 सम्पादक के नाम पत्र
06 सम्पादक की कलम से

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय

07 हंगामे की भेंट चढ़ा संसद का सत्र, जिम्मेदार कौन? : आर.पी. तोमर
09 लोकनायक तीर्थंकर पार्श्वनाथ : प्रो. फूलचंद जैन प्रेमी
11 अटल : राजनीति की कालिख में भी धवल : डॉ. विनोद बब्बर
13 वैश्विक खाद्य सुरक्षा और भारत : डॉ. दीपक कोहली

राज्यों से

15 महाराष्ट्र– महाराष्ट्र में 'फडणवीस राज', हार कर जीतने के बाजीगर का ऐसा रहा सफर : आशा सिंह देवासी
17 हरियाणा– दिल्ली से करनाल तक रेपिड ट्रैन की सौगात : विशाल शर्मा
19 उत्तर प्रदेश– मंगलायतन विश्वविद्यालय-शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति की ओर बढ़ते कदम : डॉ. सिद्धार्थ जैन
21 छत्तीसगढ़– 'महतारी' से नक्सलवाद खत्म करके रहेंगे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय : डॉ. भरत कुमार
24 छत्तीसगढ़– संविधान को केवल पढ़े नही, इसे समझे और पालन करेंः राज्यपाल रमेन डेका : हेमन्त उपाध्याय
25 केरल– एक नहीं अनेक इतिहास है केरल के : धीरेन बरोट

नई दिल्ली कार्यालय
मुख्यालय :
'सन्निधि', ए-28, मनसाराम पार्क, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
कॉरपोरेट कार्यालय :
321, तृतीय तल, वर्धमान मॉल, प्लॉट-2, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली-110077
सम्पर्क : 09871909808, 08571841127
ई-मेल : chanakyavarta@gmail.com

उत्तर क्षेत्र कार्यालय
एस.सी.ओ. 24, द्वितीय तल, सेक्टर-11, पंचकूला, हरियाणा-134112
सम्पर्क : **0172-4672424, 09466988764**

पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यालय
116, कॉमर्स हाउस, एम.जी. रोड, फैंसी बाजार निकट ऐक्सिस बैंक, गुवाहाटी, असम-781001
सम्पर्क : 09101834214, 9864337619

दक्षिण क्षेत्र कार्यालय
13, नल्लन्ना मुदली स्ट्रीट, साहुकारपेट, चेन्नई-600 079
सम्पर्क : **9342302248, 9941245660**

संरक्षक
डॉ. योगेन्द्र नारायण (पूर्व महासचिव, राज्यसभा)
कुलाधिपति, गढ़वाल विश्वविद्यालय
लक्ष्मीनारायण भाला (वरिष्ठ साहित्यकार)

परामर्श मंडल
पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह शशि
(कुलाधिपति, रोमा विश्वविद्यालय)
वेणुगोपालन (वरिष्ठ पत्रकार)

सम्पादक मंडल
सम्पादक : **डॉ. अमित जैन**
कार्यकारी सम्पादक : **आर.पी. तोमर**
राजनीतिक सम्पादक : **ओम प्रकाश पाल**
उप सम्पादक : **सारांश कनौजिया**

संस्थापक राष्ट्रीय समन्वयक
स्व. घनराज भाम्बी
(वरिष्ठ पत्रकार–रक्षा सेनाएँ एवं अर्द्ध सैनिक बल)

राष्ट्रीय प्रचार-प्रसार प्रभारी
दिलीप बैनर्जी, कोलकत्ता

आर्थिक सलाहकार मंडल
सी.ए. मन्त्रेश्वर कर्ण
सी.ए. स्वीटी जैन

अन्तरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल
धर्मपाल महेन्द्र जैन, टोरंटो, कनाडा
कैलाश कंदोई, सिलीगुड़ी

विधि सलाहकार मंडल
अंकुर जैन (अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट)
योगेश कुमार (चेयरमैन, नेचर व्यू)
अजय नागर (स्वतंत्र पत्रकार)

राज्य प्रभारी
उत्तर क्षेत्र प्रभारी—**विशाल शर्मा**, चंडीगढ़
पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रभारी—**राजीब अगस्ती**, गुवाहाटी
दक्षिण क्षेत्र प्रभारी—**नवरतन पींचा जैन**, चेन्नई
पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी—**आशा सिंह देवासी**, मुबई
पूर्वी क्षेत्र प्रभारी—**प्रकाश बेताला**, भुवनेश्वर
कर्नाटक प्रभारी—**हर्ष गोयल**, बेंगलुरु
तमिलनाडु प्रभारी—**जे.पी. ललवानी**, चेन्नई
मध्य प्रदेश प्रभारी—**लखनलाल चौरसिया**, भोपाल
पश्चिमी उ.प्र. प्रभारी—**अंकित जैन**, मेरठ

चिंतन

27 श्रीगुरुजी का विराट व्यक्तित्व : कृष्णानंद सागर
कांग्रेस और संघ : एक सिंहावलोकन-92

28 आचार्य चाणक्य बताते हैं दान का महत्व : रमेश जैन

लघुकथा

29 व्ट्सअप्प एडमिन : इन्दुकांत आंगिरस

व्यंग्य

30 विकास के सच्चे धंधेदारः धर्मपाल महेंद्र जैन

समाचार जगत

31 चाणक्य वार्ता पाक्षिकनामा

32 खबरों में देश-विदेश : सोनम जैन

33 उत्तर भारत की खबरें : विशाल शर्मा/शैलेन्द्र जैन

34 पूर्वोत्तर भारत की खबरें : राजीब अगस्ती/ हुरुई जेलियांग

35 दक्षिण भारत की खबरें : वेद प्रकाश पांडेय/ ईश्वर करुण

36 पश्चिम भारत की खबरें : आशा सिंह देवासी/धीरेन बरोट

जॉब अलर्ट

37 सरकारी नौकरियों में अवसर : सी.ए. स्वीटी जैन

देश भर में 'चाणक्य वार्ता' के प्रतिनिधि

राज्य ब्यूरो चीफ

धीरेन्द्र मिश्र, नई दिल्ली
डॉ. अमर सिंहल, जयपुर, राजस्थान
शैलेन्द्र जैन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
अजय भट्ट, देहरादून, उत्तराखंड
डॉ. गुलाब सिंह, यमुना नगर, हरियाणा
शरद छिब्बर, चंडीगढ़
रमेश गुप्ता, उधमपुर, जम्मू-कश्मीर
गुरुवचन सिंह, शिमला, हिमाचल प्रदेश
सतीश सिंह, गुवाहाटी, असम
डॉ. आलोक सिंह, शिलांग, मेंघालय
शुभ्रांशु दाम, धर्मनगर, त्रिपुरा
तुंबन रीबा 'लीली', ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश
हुरुई जेलियांग, दीमापुर, नागालैंड
डॉ. ललमुआनओमा साइलो, आईजोल, मिजोरम
किरन कुमार, इंफाल, मणिपुर
डॉ. टी.बी. छेत्री, गंगटोक, सिक्किम
वेद प्रकाश पाण्डेय, बेंगलुरु, कर्नाटक
ईश्वर करुण, चेन्नई, तमिलनाडु
जी. गौरीशंकर, हैदराबाद, तेलंगाना
उमा महेश्वर रेड्डी, विजयवाड़ा, आंध्रप्रदेश
श्रीकांत कण्णन, पुडुचेरी
अरुण लक्ष्मण, तिरुवन्तपुरम, केरल
किशोर आपटे, मुंबई, महाराष्ट्र
विनायक भिषे, सतारा, महाराष्ट्र
विनोद कुशवाहा, भोपाल, म.प्र.
सियानंद मंडल, पटना, बिहार
गौतम चौधरी, राँची, झारखंड
अशोक नंदी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
राजेन्द्रपाल शर्मा, पोर्टब्लेयर, अंडमान निकोबार

नेशनल सोशल मीडिया हेड
हेमन्त उपाध्याय, जयपुर

नेशनल मार्केटिंग हेड
धीरेन बरोट, अहमदाबाद

जिला ब्यूरो चीफ
अविनाश पाठक, नागपुर, महाराष्ट्र
अनमोल जैन, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश
सुनीता गोस्वामी, मथुरा, उत्तर प्रदेश
डॉ. डी.के. अस्थाना, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
संजय सक्सेना, कानपुर, उत्तर प्रदेश
सोनम जैन, दिल्ली
ए. रणजीत, आईजोल, मिजोरम

नोट : देश के कोने-कोने में आप अपने समाचार पत्र हॉकर के माध्यम से घर बैठे 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका मँगा सकते हैं। यदि आपको पत्रिका मिलने में कठिनाई होती है, तो आप 'चाणक्य वार्ता' के मुख्य प्रसार कार्यालय, नई दिल्ली में 08586858185 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा
chanakyavarta@gmail.com पर ई-मेल भी कर सकते हैं।

प्रसार प्रबंधक

© सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति आवश्यक है। प्रकाशित रचनाओं के विचार से 'चाणक्य वार्ता' पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अंतर्गत विचारणीय रहेंगे।

इंटरनेशनल दिव्य परिवार सोसाइटी, नई दिल्ली का पाक्षिक प्रकाशन

चाणक्य वार्ता मीडिया प्रा.लि. का उपक्रम

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित जैन के लिए विकास कम्प्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रोनिका सिटी, लोनी, गाजियाबाद से मुद्रित एवं ए-28, मनसाराम पार्क, नई दिल्ली से प्रकाशित।

सम्पादक : **अमित जैन।**

वेबसाइट : www.chanakyavarta.com

सम्पादक के नाम पत्र

आप सभी पाठकगण पत्रिका में प्रकाशित लेखों पर अपने विचार या कोई सुझाव हमें हमारी ई-मेल आईडी response50123@gmail.com पर भेज सकते हैं। स्थान की उपलब्धता के अनुसार हम आपके विचारों को शामिल करने का प्रयास करेंगे।
—सम्पादक 'चाणक्य वार्ता'

चाणक्य वार्ता के 1 दिसंबर 2024 के अंक में डॉ. अमित जैन का संविधान दिवस पर संपादकीय पढ़ा। उन्होंने अपने संपादकीय में दावा किया कि इस पर्व को पिछले 75 वर्ष में किसी ने नहीं मनाया। वास्तव में 26 जनवरी 1950 को हमने संविधान लागू किया था। लेकिन 26 नवंबर 1949 में ही भारतीय संविधान को लिखने का कार्य पूरा कर दिया गया था। यही संविधान अगले वर्ष 26 जनवरी को लागू हुआ। यह एक महत्वपूर्ण दिन था। नरेन्द्र मोदी जी की सरकार आने के बाद 26 नवंबर का महत्व बढ़ गया है। इसलिए कुछ हद तक यह माना जा सकता है कि ऐसा पिछली किसी सरकार ने नहीं किया। संविधान से जुड़ी ऐसी बहुत सी बाते हैं, जिनके बारे में हम सभी को अभी जानकारी नहीं है। मैं उम्मीद करता हूं कि मोदी सरकार की इस पहल से हमें उन बातों के बारे में भी पता चलेगा।

हृदयलाल सिंह
भोपाल, मध्य प्रदेश

चाणक्य वार्ता में भारत के विभिन्न नामों व भारतीय संविधान पर लक्ष्मीनारायण भाला का लेख पढ़ा। वैसे तो उनका पूरा लेख ही बहुत अधिक शोधपूर्ण है, लेकिन जिस प्रकार उन्होंने हिन्दुस्तान की जगह हिन्दूस्थान शब्द प्रयोग करने पर बल दिया हैं वह एक अच्छा विचार है। वास्वत में इंडिया नाम से हम अपनी संस्कृति और सभ्यता के साथ नहीं जुड़ पाते। इसके अलावा संभवतः विश्व में हमारा देश ही एक मात्र ऐसा देश है, जिसका हिन्दी और अंग्रेजी में अलग-अलग नाम हैं। कुछ लोग हिन्दूस्थान शब्द का प्रयोग होते ही इसे साम्प्रदायिकता का नाम देकर विरोध करने लगते हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता है कि जब मुस्लिम विधायक या सांसद शपथ लेते हैं, तो वो हिन्दूस्थान के संविधान की शपथ लेते हैं। ऐसे में इस नाम का विरोध मेरी समझ से परे है।

एस. कुमार रेड्डी
हैदराबाद, तेलंगाना

चाणक्य वार्ता में वक्फ बोर्ड पर आर पी तोमर का लेख पढ़ा। उन्होंने अपने शीर्षक में ही लिखा है कि वक्फ बोर्ड ने आधे भारत पर अपना दावा ठोक दिया है। इससे हिन्दुओं के साथ ही ईसाई सम्प्रदाय के लोग भी परेशान हैं। क्योंकि उनके चर्चों पर भी दावा किया गया है। केरल में मुस्लिम और ईसाई संगठनों के मध्य मतांतरण को लेकर पहले ही तलवार खिंची हुई थी। वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर यह तकरार और अधिक बढ़ चुकी है इसलिए ये संगठन भी चाहते हैं कि वक्फ बोर्ड में संशोधन हो और उसकी असीमित ताकत पर लगाम लगाई जाएं। यह अलग बात है कि ईसाई चर्चों के पास भी चल-अचल संपत्ति की भरमार है जो किसी भी प्रदेश सरकार के बजट से अधिक है।

रामा नायडू
अमरावती, आंध्र प्रदेश

चाणक्य वार्ता के 1 दिसंबर के अंक में डॉ. शुभ्रता मिश्रा का स्वास्थ्य जगत में एआई के प्रयोग पर लेख पढ़ा। यह लेख पढ़कर मुझे जानकारी मिली कि विभिन्न अस्पतालों में किस प्रकार एआई का प्रयोग हो रहा है या फिर भविष्य में कहां-कहां इसका प्रयोग हो सकता है। रोबोट और एआई से सर्जरी बहुत आसान हो जाती है क्योंकि इससे मानवीय भूलों और गलतियों की संभावना नहीं रहती है। जटिल सर्जरियों में यह बात बहुत महत्वपूर्ण होती है। लेखिका के द्वारा दी गई जानकारी अत्यंत लाभदायक है। लेकिन यदि इसमें एआई से हो सकने वाले संभावित नुकसान को भी विस्तार से उल्लेखित किया जाता, तो इस तकनीक के लाभ और हानि को समझने में और अधिक मदद मिलती।

डॉ. संजय महाजन
शिमला, हिमाचल प्रदेश

चाणक्य वार्ता के 1 दिसंबर 2024 के अंक में झारखंड विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन की पार्टी जेएमएम के लगातार दूसरी बार विजयी रहने पर हेमंत उपाध्याय का लेख पढ़ा। जिस प्रकार प्रदेश में जेएमएम को सफलता मिली, उसी प्रकार उसकी सहयोगी पार्टी कांग्रेस ने प्रदर्शन नहीं किया। पूरी ताकत झोंकने के बाद भी भाजपा असफल रही। सोरेन के जेल जाने से उन्हें सहानुभूति की लहर प्राप्त हुई जिसके कारण वह विजयी रहे। लेखक ने बिल्कुल ठीक लिखा है कि जेएमएम की मईया सम्मान योजना और सोरेन की पत्नी कल्पना की ताबड़तोड़ रैलियों ने पार्टी को बढ़त दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यही कारण है कि जेएमएम की पिछली सरकार के 4 मंत्रियों और 25 विधायकों की हार के बाद भी हेमंत सोरेन दुबारा मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे।

विमल शेखावत
जयपुर, राजस्थान

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन की वापसी हुई। इस विषय पर आशा सिंह देवासी का चाणक्य वार्ता में लेख पढ़ने को मिला। लेखिका ने अपने लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जमीनी तैयारी को चुनाव में जीत का बड़ा कारण बताया है। उन्होंने महायुति गठबंधन की सरकार में तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच तकरार की बात लिखी। उन्होंने लिखा कि इस विवाद का भी असर चुनाव परिणामों पर नहीं पड़ा। मुझे लगता है कि महायुति से अधिक विपक्षी महा विकास अघाड़ी में सामंजस्य की कमी थी। इसने भी सत्ताधारी महायुति गठबंधन को विजय हासिल कराने में अहम भूमिका निभाई है।

जयंत ठाकोर
सूरत, गुजरात

चाणक्य वार्ता के 1 दिसंबर 2024 के अंक में राजधानी दिल्ली में प्रदूषण पर डॉ. विनोद बब्बर का लेख पढ़ा। उन्होंने इसके लिए बढ़ती जनसंख्या को जिम्मेदार बताया है। लेकिन इस जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास के कारण कहीं जनसंख्या असंतुलन की वर्तमान समस्या और अधिक बढ़ न जाए, इसका ध्यान रखना होगा। इसी अंक में हरियाणा की सैनी सरकार पर विशाल शर्मा का लेख भी देखा। जिसमें उन्होंने बताया कि हरियाणा की भाजपा सरकार अपने सभी वादे पूरे कर रही है। मेरा विश्वास है कि भाजपा सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में जो कार्य किये थे। उसी के कारण पार्टी को इस बार प्रदेश में स्पष्ट बहुमत मिला है। इस अंक में कर्नाटक पर डॉ. मैथिली राव के लेख का दूसरा भाग पढ़ा। उन्होंने प्रदेश का बहुत ही सुंदर वर्णन किया है।

सुनील जैन
नासिक, महाराष्ट्र

विश्वरत्न बनते प्रधानमंत्री मोदी

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में तो अकल्पनीय कार्य करते हुए भारत रत्न बनते जा रहे हैं लेकिन विश्व स्तर पर जिस तरह से उन्हें सम्मान मिल रहे है, वह किसी विश्व रत्न को ही मिल सकते है। भारत के लिये गर्व की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में देश की 140 करोड़ जनता को मिला है। इतिहास पर नज़र डाली जाए तो पिछले दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन हाल ही में हुई उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को गौरवान्वित करने वाले हैं। ये सम्मान उनकी व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है। जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान विश्व के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी स्पष्ट करते है। यही कारण है कि विश्व में भारत का गौरव एवं सम्मान दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है, अपने अब तक के कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी विश्वनेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा बढ़ता जा रहा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता और विश्व रत्न के तौर पर स्थापित होती जा रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। हाल ही में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को 'डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर' और गुयाना ने 'ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस' से नवाजा हैं।

यह किसी से छिपा नहीं है कि पीएम मोदी ने भारत को कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया है। इससे भारत तो आत्मविश्वास से भरा ही है, साथ ही दुनिया में भी भारत का डंका बज रहा है।

यह गर्व की बात है कि अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। वहीं सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी प्रधानमंत्री मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूंथित ऐसा व्यक्तित्व है जिनके हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव सहित 14 विदेशी संसद के सांसदों को प्रधानमंत्री मोदी संबोधित करने का गौरव प्राप्त कर चुके है। जबकि पूर्व में प्रधानमंत्री रहते हुए डॉ मनमोहन सिंह 7 बार, इंदिरा गांधी 4 बार, जवाहरलाल नेहरू 3 बार, मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव को 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन का मौका मिला है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी से गले तो मिले ही थे साथ ही उन्होंने कहा था कि ''आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए।'' आस्ट्रेलिया के सिडनी में पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भरा था और मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा था, उसे देखकर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए थे। यद्यपि मोदी की लोकप्रियता से विपक्ष खुश नहीं है और विरोध पर उतारू है लेकिन विपक्ष मोदी का जितना विरोध कर रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। महाराष्ट्र चुनावों की प्रचंड जीत बताती है कि विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। क्योंकि इस युग नायक की राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट करती है। वर्तमान में भारत की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को ही जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से ही संभव हो रहा है। बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देखा जा रहा हैं। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन चुका है। उनके वक्तव्य व भाषणों में स्पष्टता होती है। वे प्रभावी व विलक्षण तरीके से अपनी बात रखते हैं। उनकी दूरदृष्टि या विजन बिल्कुल स्पष्ट होता है।

प्रधानमंत्री मोदी में समय के साथ चलने और समय के पार देखने की अद्भुत क्षमता है। इसीलिए उन्होंने अपने नेतृत्व में जितनी योजनाएं बनाई वे सब वर्तमान को मजबूत बनाते हुए भविष्य को सुरक्षित करने वाली योजनाएं हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत समृद्ध भारत का मिशन पूरा करने और भारत को विश्व की प्रथम 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल करने के महान लक्ष्य को पूरा करते हुए भारत एक महाशक्ति के रूप में उभरते हुए विश्व नेतृत्व की क्षमताओं को उजागर कर रहा है। भारतीय लोकतंत्र में एक स्वर्णिम अध्याय शुरू हुआ है और उसमें निरंतर नये-नये आयाम जुड़ते जा रहे हैं जिसे समूची दुनिया आश्चर्य से देख रही है। दस वर्ष का कुशल देश संचालन, विकास की नयी इबारत लिखना, विश्वमंचों पर भारत की साख को बढ़ाना आदि घटनाओं के साक्षी रहे लोगों का अनुभव है कि इस अवधि में जितना एवं जैसा भारत बना है, उसमें विश्व को नयी दिशा देने की क्षमता है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी भारत के सच्चे सपूत, देशभक्त और भारत रत्न तो हैं ही साथ ही अब वे विश्व रत्न बन रहे हैं।

–डॉ अमित जैन